Class-9th (1) हिंदी गद्य साहित्य का विकास

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र०1 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक का नाम बताइए।

उ०1 मुंशी इंशा अल्ला खाँ ने 'रानी केतकी की कहानी' की रचना की।

प्र०2 हिन्दी के प्रथम मौलिक उपन्यास का नाम बताइए।

उ०2 हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास 'परीक्षागुरु' है।

प्र०3 भारतेन्दु युग के दो निबन्धकारों के नाम लिखिए।

उ०3 (i) प्रतापनारायण मिश्र (ii) बालकृष्ण भट्ट

प्र०4 द्विवेदी युग के दो निबन्धकारों के नाम

उ०4 (i) श्यामसुन्दर दास (ii) अध्यापक पूर्णसिंह

प्र०5 भारतेन्दु युग के तीन नाटकों के नाम

उ०5 (i) भारत-दुर्दशा (ii) सत्य हरिश्चन्द्र
(iii) चन्द्रावली।

प्र०6 संकलन त्रय का क्या अर्थ है ?

उ०6 किसी एक ही कार्य अथवा घटना का एक स्थान पर किसी निश्चित समय में पूरा होना संकलन त्रय कहलाता है।

प्र०7 आत्मकथा से क्या आशय है ?

उ०7 लेखक जब स्वयं अपने जीवन की कथा को पाठकों के समक्ष पूर्ण आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करता है। तो उसे आत्मकथा कहते हैं।

प्र०8 जीवनी का अर्थ बताइए।

उ०8 किसी महान व्यक्ति के जीवन की आद्योपांत

क्रमबद्ध घटनाओं के उल्लेख को जीवनी कहते हैं।

प्र०9 हिन्दी के प्रमुख तीन जीवनी लेखक के नाम

उ०9 (i) नाथूराम शर्मा 'प्रेमी' (ii) पं० रामनरेश त्रिपाठी
(iii) रामविलास शर्मा ।

प्र०10 जीवनी और आत्मकथा में अन्तर बताइए।

उ०10 जीवनी में किसी अन्य व्यक्ति के जीवन की घटनाओं का वर्णन होता है, जबकि आत्मकथा में लेखक स्वयं अपने जीवन की कथा पाठकों के समक्ष आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करता है।

प्र०11 संस्मरण किसे कहते हैं ?

उ०11 जब लेखक किसी व्यक्ति या महापुरुष वस्तु या घटना का अपनी स्मृति के आधार पर आत्मीयता व कलात्मकता के साथ विवरण प्रस्तुत करता है, तो वह संस्मरण

कहलाता है।

प्र012 हिन्दी के दो संस्मरण लेखकों के नाम।

उ012 (i) आचार्य चतुरसेन शास्त्री (ii) रामवृक्ष बेनीपुरी

प्र013 रेखाचित्र अथवा संस्मरण में अन्तर।

उ013 रेखाचित्र में कल्पना का महत्व होता है। जबकि संस्मरण में यथार्थ का।

प्र014 हिन्दी के प्रमुख रेखाचित्रकारों के नाम

उ014 निराला, महादेवी वर्मा, रामवृक्षबेनीपुरी बनारसीदास चतुर्वेदी, विनयमोहन शर्मा देवेन्द्र सत्यार्थी आदि प्रमुख रेखाचित्रकार हैं।

प्र015 यात्रावृत्त किसे कहते हैं?

वह रचना जिसमें लेखक किसी स्थान विशेष की यात्रा के अनुभव का यथार्थ एवं कलात्मक वर्णन करता है, तो उसे यात्रावृत्त कहते हैं?

प्र०16 यात्रावृत्त की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उ०16 यात्रावृत्त में स्थान, दृश्य एवं घटनाओं की चित्रमयता रहती है। यात्रावृत्त में आत्मकथा संस्मरण और रिपोर्ताज तीनों के तत्व विद्यमान होते हैं।

प्र०17 रिपोर्ताज से आप क्या समझते हैं?

उ०17 रिपोर्ताज अंग्रेजी के रिपोर्ट शब्द का पर्यायवाची है, वास्तव में रिपोर्ताज रिपोर्ट का ही साहित्यिक एवं कलात्मक रूप है।

प्र०18 चार रिपोर्ताज लेखकों के नाम लिखिए।

उ०18 (i) डॉ० प्रभाकर माचवे (ii) विष्णु प्रभाकर (iii) कन्हैयालाल मिश्र "प्रभाकर" (iv) प्रकाशचन्द्र गुप्त

प्र०19 गद्य काव्य से क्या तात्पर्य है?

उ०19 गद्य के माध्यम से की गई किसी विषय की भावपूर्ण काव्यात्मक अभिव्यक्ति गद्य काव्य

कहलाती है।

प्र०20 गद्य-काव्य के किन्ही दो लेखकों के नाम लिखिए।

उ०20 (i) रायकृष्णा दास (ii) चतुरसेन शास्त्री

प्र०21 प्रेमचन्द्र के उपन्यासों के नाम बताइए।

उ०21 गबन, गोदान, कर्बला, कर्मभूमि, निर्मला

प्र०22 प्रेमचन्द्र के उपन्यास किन विषयों पर आधारित हैं।

उ०22 मुंशी प्रेमचन्द्र के उपन्यास दीन-हीन किसान मजदूरों, नारी-उद्धार, समाज-सुधार राष्ट्रीय चेतना आदि विषयों पर आधारित हैं।

प्र०23 हिन्दी के सर्वप्रथम यात्रावृत्त के लेखक एवं उनकी रचना का नाम बताइए।

उ०23 हिन्दी के प्रथम यात्रावृत्त - लेखक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र थे और उनकी रचना का नाम -

"सरयू पार की यात्रा" थी।

प्र०24 पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के तत्व बताइए।

उ०24 पाश्चात्य विद्वानों ने नाटक के 6 तत्व स्वीकार किए हैं — (i) कथावस्तु (ii) चरित्र-चित्रण (iii) कथोपकथन (iv) देश - कला (v) भाषा - शैली (vi) उद्देश्य।

प्र०25 जयशंकर प्रसाद के नाटकों के नाम लिखिए।

उ०25 राज्यश्री, अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त जनमेजय का नागयज्ञ, ध्रुवस्वामिनी, कामना आदि।

प्र०26 आधुनिक साहित्य की सबसे अधिक लोकप्रिय विधा का नाम बताइए।

उ०26 कहानी।

प्र०27 अच्छी जीवनी की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उ०27 (i) प्रामाणिकता (ii) तथ्यपूर्ण साहित्यिक विवरण (iii) आत्मीयकता (iv) प्रेरणादायक स्थलों पर बल (v) रोचकता।

प्र०28 द्विवेदी युग के दो समीक्षकों के नाम

उ०28 (i) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ii) बाबू बालमुकुन्द गुप्त

प्र०29 विषय एवं शैली की दृष्टि से निबन्ध की शैली बताइए।

उ०29 विषय एवं शैली की दृष्टि से निबन्ध के चार भेद हैं — (i) विचारात्मक निबन्ध (ii) भावात्मक निबन्ध (iii) वर्णनात्मक निबन्ध (iv) विवरणात्मक निबन्ध।

प्र०30 अध्यापक पूर्णसिंह किस युग के निबन्धकार हैं?

उ०30 अध्यापक पूर्णसिंह द्विवेदी युग के निबन्धकार हैं।

प्र०31 भारतेन्दु युग का नाम कैसे पड़ा?

उ०31 भारतेन्दु जी की अद्वितीय गद्य सेवाओं के कारण तथा अपने समकालीन गद्य लेखकों में उनके सर्वाधिक सक्रिय होने के कारण 1868 ई० 1900 ई० तक की काल अवधि को "भारतेन्दु युग" का नाम दिया गया।

प्र०32 द्विवेदी युग नाम कैसे पड़ा?

उ०32 1900 ई० से 1922 ई० तक के काल में हिन्दी गद्य निर्माता तथा सर्वाधिक प्रसार कर्त्ता आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी थे, इसीलिए इस कालखण्ड को द्विवेदी युग का नाम दिया गया।

प्र०32 नाटक के तत्वो के नाम लिखिए।

उ०32 (i) कथावस्तु (ii) नायक (iii) रस (iv) अभिनय (v) वृत्ति।

प्र०34 हिन्दी में रेखाचित्र का सूत्रपात कब हुआ?

उ०34 हिन्दी में रेखाचित्र का सूत्रपात 1929 ई० में प्रकाशित पं० पदमसिंह शर्मा के "पदमपुराण" निबन्धों से होता है।

प्र०35 भारतेन्दु युग के दो जीवनी लेखक।

उ०35 (i) गोपालशर्मा शास्त्री (ii) कार्तिकप्रसाद खत्री

प्र०36 द्विवेदी युग के दो जीवनी लेखकों का नामोल्लेख करते हुए उनकी एक-एक कृति का नाम लिखिए।

उ०36 (1) डॉ सम्पूर्णानन्द — सम्राट् अशोक की जीवनी

(2) महादेव भट्ट — लाला लाजपतराय की जीवनी

प्र०37 किन्हीं दो आत्मकथा लेखकों एवं उनकी एक-एक कृति का नाम लिखिए।

उ०37 (1) वियोगी हरि — मेरा जीवन प्रवाह।

(2) डॉ वृन्दावन लाल वर्मा — अपनी कहानी।

प्र०38 किन्हीं चार गद्य विधाओं के नाम लिखिए।

उ०38 निबन्ध, कहानी, नाटक, उपन्यास।

प्र०39 पद्मसिंह शर्मा किस युग के लेखक हैं?

उ०39 द्विवेदी युग के लेखक हैं।

प्र०40 हिन्दी साहित्य के दो विचारात्मक निबन्धकारों के नाम लिखिए?

Sunday 20

उ०40 [1.] बाबू श्यामसुन्दर दास [2.] आचार्य विनोबा भावे

प्र०41 शिकार साहित्य के प्रसिद्ध लेखक का नाम

उ०41 श्री राम शर्मा।

प्र०42 हिन्दी साहित्य का प्रचार-प्रसार करनेवाली दो संस्थाओं के नाम लिखिए।

उ०42 (i) नागरी प्रचारिणी सभा

(ii) फोर्ट विलयम कॉलिज

प्र०43 गद्य किसे कहते हैं?

उ०43 वह रचना जो छन्द के बन्धन से मुक्त हो, गद्य कहलाती है, जैसे- निबन्ध, कहानी उपन्यास आदि।

प्र०44 हिन्दी गद्य का आविर्भाव किस शताब्दी में हुआ।

उ०44 13 वी शताब्दी से हुआ।

प्र०45 गद्य की उपयोगिता क्या है?

उ०45 गद्य में हम विचारों या भावों को सरलतापूर्वक सहज भाषा में व्यक्त करते है ज्ञान-विज्ञान आदि सभी क्षेत्रो में सफल एवं सरल अभिव्यक्ति का माध्यम गद्य है

प्र०46 हिन्दी गद्य के प्राचीनतम प्रयोग किस भाषा में मिलते हैं ?

उ०46 राजस्थानी और ब्रजभाषा में मिलते हैं।

प्र०47 ब्रजभाषा गद्य का सूत्रपात कब हुआ।

उ०47 ब्रजभाषा गद्य का सूत्रपात सन् 1343 ई० के लगभग हुआ।

प्र०48 ब्रजभाषा गद्य के दो लेखको के नाम

उ०48 (1) गोस्वामी विट्ठलनाथ (2) गोकलुनाथ

प्र०49 खड़ीबोली गद्य का जनक किसे माना जाता हैं।

उ०49 भारतेन्दु हरिशचन्द्र को हिन्दी खड़ीबोली का जनक कहा जाता हैं।

प्र०50 खड़ीबोली गद्य के प्रथम लेखक और उनकी प्रथम रचना का नाम लिखिए ?

उ०50 कवि गंग – "चन्द छन्द बरनन की महिमा"

प्र051 खड़ीबोली गद्य के चार उन्नायकों के नाम लिखिए ।

उ051 (1.) मुंशी सदासुखलाल (2.) इंशा अल्ला खाँ (3.) लल्लूलाल (4.) सदल मिश्र

प्र052 हिन्दी खड़ीबोली का आविर्भाव कब हुआ

उ052 19 वीं शताब्दी के जागरण काल में हुआ

प्र053 हिन्दी गद्य के प्रसार में ईसाई पादरियों का क्या योगदान रहा ?

उ053 ईसाई पादरियों ने अपने धर्म प्रचार के लिए "बाइबिल" का खड़ीबोली में अनुवाद कराया और उसे भारत के विभिन्न स्थानों पर वितरित कराया । इस प्रकार ईसाई धर्म के साथ-साथ हिन्दी का भी प्रचार-प्रसार होता रहा ।

प्र054 भारतेन्दु से पूर्व हिन्दी गद्य के प्रमुख चार लेखकों के नाम बताइए।

उ054 (1.) मुंशी सदासुखलाल (2.) इंशा अल्ला खाँ

प्र055 भारतेन्दु से पूर्व किन दो राजाओं ने हिन्दी गद्य के विकास में योगदान दिया?

उ055 (1.) राजा शिवप्रसाद सितारेहिन्द

(2.) राजा लक्ष्मण सिंह

प्र056 गद्य और पद्य में अन्तर है?

उ056 गद्य मस्तिष्क के तर्कप्रधान चिन्तन की उपज है। व्यावहारिक होने के कारण इसमें विचारों और भावों को अभिव्यक्त करना सरल होता है, जबकि काव्य बहुत कुछ काल्पनिक होता है, तथा इसमें संवेदनशीलता की प्रधानता होती है।

प्र०57 भारतेन्दु युग की कालावधि लिखिए।

उ०57 1868 ई० से 1900 ई० तक।

प्र०58 भारतेन्दु युग के दो गद्य लेखकों तथा उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।

उ०58 (i) बालकृष्णा भट्ट - नूतन ब्रह्मचारी।

(ii) प्रतापनारायण मिश्र - हठी हम्मीर।

प्र०59 भारतेन्दु युग की प्रमुख पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

उ०59 (1) कविवचन सुधा (2) हरिश्चन्द्र मैगजीन (3) हिन्दी प्रदीप (4) ब्राह्मण (5.) आनन्द कादम्बिनी

प्र०60 भारतेन्दु युग की दो प्रमुख विशेषताएँ।

उ०60 (i) भारतेन्दु युग में हिन्दी गद्य को एक निश्चित स्वरूप प्राप्त हुआ।

(ii) इस युग के लेखकों में अपनी भाषा, जाति और राष्ट्र के उत्थान के लिए अकुलाहट थी।

प्र061 "चन्द्रकान्ता" उपन्यास के लेखक का नामोल्लेख करते हुए युग का नाम लिखिए।

उ061 चन्द्रकान्ता उपन्यास के लेखक — देवकीनन्दन खत्री . युग — भारतेन्दु।

प्र062 हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु युग का महत्व बताइए।

उ062 हिन्दी गद्य के विकास की दृष्टि से भारतेन्दु युग (1868 से 1900 ई०) अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस युग में न केवल खड़ीबोली का विकास हुआ। अपितु हिन्दी गद्य साहित्य की भी Sunday 03 उन्नति हुई। वास्तव में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हिन्दी गद्य के जनक थे।

प्र063 भारतेन्दु द्वारा सम्पादित दो पत्रिकाओं के नाम — हरिश्चन्द्र मैगनीज, कविवचन सुधा